विश्वविद्यालय में दो–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम से जनजातीय महिलाओं में बढ़ा आत्मविश्वास

पंतनगर। 20 मार्च 2026। पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के कृषि संचार विभाग द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से वित्तपोषित जनजातीय उप–योजना के अंतर्गत 'मूल्य संवर्धन के माध्यम से आजीविका संवर्धन' विषय पर आयोजित दो–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम ने जनजातीय महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल प्रस्तुत की। कार्यक्रम में विकासखंड सितारगंज के ग्राम बरुआबाग की अनुसूचित जनजाति की महिलाओं ने सक्रिय एवं उत्साहपूर्ण सहभागिता दर्ज कराई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में निदेशक संचार डा. जे. पी. जायसवाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन जनजातीय उप–योजना की प्रधान अन्वेषक डा. अर्पिता शर्मा कंडपाल द्वारा किया गया। अपने प्रेरणादायक संबोधन में डा. जायसवाल ने कहा कि वर्तमान समय में केवल तकनीकी ज्ञान ही नहीं, बल्कि प्रभावी संचार कौशल भी सफलता की कुंजी है। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे प्रशिक्षण के दौरान अर्जित ज्ञान को अपने समुदाय तक पहुँचाएं तथा सामूहिक प्रयासों के माध्यम से आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ें। साथ ही उन्होंने महिलाओं को कृषि आधारित लघु उद्यम स्थापित कर स्वरोजगार के अवसर सृजित करने पर बल दिया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल संचालन डा. अर्पिता शर्मा कंडपाल के कुशल निर्देशन में किया गया। उन्होंने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य जनजातीय महिलाओं को तकनीकी दक्षता एवं व्यावहारिक कौशल से सशक्त बनाकर उनकी आय में स्थायी वृद्धि सुनिश्चित करना है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ–साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। विभिन्न सत्रों में नर्सरी प्रबंधन, पौधारोपण तकनीक, जैविक खेती, कीट एवं रोग नियंत्रण तथा कटाई उपरांत प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। इन गतिविधियों ने प्रतिभागियों को न केवल तकनीकी रूप से दक्ष बनाया, बल्कि उनमें उद्यमिता की भावना भी विकसित की।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस प्रशिक्षण से उनके ज्ञान एवं कौशल में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है तथा आत्मविश्वास में भी बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्राप्त ज्ञान के आधार पर वे अपने परिवार एवं समुदाय की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में सक्षम होंगी। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जनजातीय महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक सार्थक एवं प्रेरणादायक पहल के रूप में उभरकर सामने आया।